ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/19(JS)–ESY-E2	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Girdhari lal Meena Mobile Number: _____

Medium (English/Hindi): Hindi Reg. Number: AWAKE-2019/E17

Center & Date: 22/7/2019 UPSC Roll No. *(If allotted)*: 0856006

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

खंड A और B प्रत्येक में से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: $125 \times 2 = 250$

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: $125 \times 2 = 250$

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION –A

1. तन के भूगोल से परे एक स्त्री के मन की गाँठें खोलकर कभी पढ़ा है तुमने।
   Have you ever looked beyond a woman's body to understand the complexities of her mind.
2. अंतरिक्ष पर शोध : निरर्थक प्रयास या अवसरों का पुंज।
   Space research : Futile efforts or a beam of opportunities.
3. प्रकृति की अनदेखी विनाश का आमंत्रण-पत्र है।
   Ignorance towards nature is an invitation to catastrophe.
4. समावेशी विकास संभव है, बशर्ते प्रतिस्पर्द्धा संघर्ष न बने।
   Inclusive development is possible, provided that competitions do not become a struggle.

खंड–B / SECTION –B

1. युद्ध के लिये तैयार रहना शांति को संरक्षित करने का सबसे प्रभावी उपाय है।
   To be prepared for war is the most effective means of preserving peace.
2. समस्याग्रस्त विश्व के लिये गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता।
   The relevance of Gandhian Ideology in the problem laden world.
3. सामाजिक एवं क्षेत्रीय न्याय की कमजोरियाँ संपन्न समाजों के अंतर्विरोधों को प्रत्यक्ष संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर सकती हैं।
   The weaknesses in social and regional justice can bring forward contradictions of affluent societies in form of direct struggle.
4. नैतिकता स्वयं अपना ही पुरस्कार है।
   Morality is its own reward.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–A / SECTION –A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. तन के भूगोल से परे एक स्त्री के मन की गाँठें खोलकर कभी पढ़ा है तुमने।

Have you ever looked beyond a woman's body to understand the complexities of her mind.

2. अंतरिक्ष पर शोध : निरर्थक प्रयास या अवसरों का पुंज।

Space research : Futile efforts or a beam of opportunities.

3. प्रकृति की अनदेखी विनाश का आमंत्रण-पत्र है।

Ignorance towards nature is an invitation to catastrophe.

4. समावेशी विकास संभव है, बशर्ते प्रतिस्पर्द्धा संघर्ष न बने।

Inclusive development is possible, provided that competitions do not become a struggle.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

SECTION-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

① अंतरिक्ष पर शोध : निरर्थक प्रयास या अवसरों का पुंज

"भारत अभी चन्द्रयान-2 की लॉचिंग की योजना बना रहा है। इसके ~~साथ~~ साथ कहा जा रहा है कि भारत अंतर्राष्ट्रीय छवि स्थापित करेगा तो इससे भारत को आंतरिक स्तर पर भी बहुत सारे लाभ होंगे। दूसरी तरफ "एक बुखार के कारण बिहार में कई बच्चों की जिंदगी चली गई।" इस कारण भारत की समस्याओं व सरकारी प्रयत्नों में विरोधाभास की स्थिति उजागर होती है।" भारत में इसी प्रकार की नैतिक दुविधा स्वतंत्रता के पश्चात से ही विद्यमान है कि भारत को वैज्ञानिक शोधों यथा अंतरिक्ष पर शोध, कम्प्यूटर तकनीक में निवेश करना चाहिए या अपनी सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को वरीयता पर रखना चाहिए। भारतीय समाज की यह दुविधा वर्तमान में भी जारी है क्योंकि एक तरफ हम कई लोगों को दो वक्त का खाना भी उपलब्ध नहीं करवा पाये तो दूसरी तरफ अंतरिक्ष के क्षेत्र में वर्तमान दृष्टि से देखे तो निरर्थक प्रयास कर रहे हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

चर्चा को आगे बढ़ाने से पूर्व यह जानना आवश्यक है कि भारत के सम्मुख यह नैतिक दुविधा क्यों है तथा इसका प्रभाव क्या होगा। वर्तमान भारत में लगभग 22% लोग गरीब है तो साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता भी एक स्वप्न ही बना हुआ है। भारतीय समाज में विषमता तो विकास की प्रक्रिया को ही गलत साबित करती है। इस तरह संसाधनों का अंतरिक्ष शोध में "अपव्यय" करने के बजाय वास्तविक स्थिति में सुधार के लिए प्रयोग हो।

साथ ही भारत की आलोचना करते हुए पाश्चिमी देशों द्वारा भी इस द्वन्द्व की स्थिति को उजागर किया जाता है। भारत चाँद व मंगल पर जाने की सोच रहा है लेकिन अभी अपनी समस्याओं का समाधान नहीं कर पाया है। वैश्विक स्थिति में देखें तो अभी भी विश्व में सामाजिक - आर्थिक विभाजन विद्यमान है और इसी कारण शोध एवं अनुसंधान के कार्यों को कुछ ही देशों तक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सीमित करने की बात की जाती है।

साथ ही कहा जाता है कि अंतरिक्ष शोध का लाभ तो दीर्घकाल में मिलेगा। अतः भारत को तथा तृतीय विश्व के देशों को अपनी वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करना चाहिए। अंतरिक्ष में विभिन्न देशों द्वारा निवेश के कारण प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिल रहा है। इसका सैन्य क्षेत्र में उपयोग सम्पूर्ण मानवता को ही समाप्त कर देगा। साथ ही अंतरिक्ष शोध की स्थिति शस्त्रीकरण को बढ़ावा देगी तथा इसका नकारात्मक प्रभाव भारत जैसे देशों पर अधिक होगा।

अंतरिक्ष शोध को निरर्थक प्रयास बताते हुए कहा जाता है कि इसके कारण संसाधनों का उचित कार्यों के लिए आवंटन बाधित होता है। साथ ही संसाधनों की कमी के कारण विकासशील देशों में आत्मनिर्भरता तथा संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है। वस्तुतः तृतीय विश्व गरीबी के दुष्चक्र में फँस कर रह जाता है जो विश्व व्यवस्था के संचालन में ही

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बाधक कारक है)

लेकिन चर्चा का दूसरा पक्ष भी कम रोचक नहीं है) अंतरिक्ष शोध में निवेश को निरर्थक साबित करने के बजाय इसे मानवता के विकास में निवेश माना जा रहा है) इसे अवसरों का पुंज कहा जा रहा है) सर्वप्रथम तो भारत द्वारा अंतरिक्ष में शोध यथा चन्द्रयान, मंगलयान के कारण भारत की सॉफ्ट पॉवर में वृद्धि हुई है) इस सॉफ्ट पॉवर का प्रभाव भारत द्वारा तृतीय विश्व के देशों का नेतृत्व तथा विकसित देशों से प्रतिस्पर्धा है) भारत को अंतरिक्ष शोध के कारण विदेशी आय की भी प्राप्ति हो रही है जो अंतरिक्ष शोध की निरर्थकता संबंधी चर्चा को ही निरर्थक साबित करती है)

दूसरे पक्षों पर विचार करे तो अंतरिक्ष पर शोध के कारण "वैज्ञानिक मानसिकता" को बढ़ावा मिलता है जो संविधान सम्मत प्रयास है) अंतरिक्ष शोध से प्राप्त लाभों के आधार पर सरकारी योजनाओं में तकनीक का प्रयोग किया जा सकता है। इस कारण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

योजनाओं का लक्षित क्रियान्वयन होगा। साथ ही अंतरिक्ष शोध की संचार तकनीक के कारण भ्रष्टाचार को कम करके सुशासन की गांधीवादी विचारधारा को मूर्त रूप दिया जा सकता है। इस प्रकारों की तकनीक से लोगों की लोकतंत्र में भागीदारी तथा विश्वास बढ़ेगा जो तृतीय विश्व के देशों में राजनीतिक स्थायित्व में सहायता करेगी।

अंतरिक्ष शोध की सार्थकता का अगला पक्ष यह है कि इसके कारण कृषि, शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति आयेगी। औद्योगिक क्रांति 4.0 का विचार अंतरिक्ष शोध पर ही आधारित है। शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच होगी तथा इसके कारण समावेशी विकास के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति होगी। कृषि क्षेत्र में अंतरिक्ष तकनीक के प्रयोग से मृदा की गुणवत्ता, इनपुट की आवश्यकता की वास्तविक स्थिति का ज्ञान होगा। इस कारण 2022 तक कृषकों की आय दोगुनी करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी प्राप्त होगा। साथ ही चिकित्सा सुविधाओं की टेलीमेडिसीन के कारण उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य पर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

लोगों का भय होगा।

अंतरिक्ष शोध - अवसरों का पुंज है क्योंकि इसके कारण रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। इसके साथ ही समाज में कौशल युक्त श्रम बल का सृजन होगा। अंतरिक्ष शोध के कारण प्राकृतिक आपदा की स्थिति का भी प्रभावशीलता से सामना किया जा सकेगा। चेन्नई की बाढ़., वायु चक्रवात के समय इस प्रकार की तकनीकों द्वारा अपनी उपयोगिता सिद्ध की गई।

साथ ही अंतरिक्ष पर शोध के कारण सुरक्षा के क्षेत्र में भी बढ़त ली जा सकती है। वर्तमान में जब अमेरिका व चीन द्वारा अंतरिक्ष तकनीक का प्रयोग सैन्य क्षेत्र में किया जा रहा है तो भारत को भी इस सम्भावना का दोहन करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसी आधार पर रक्षा मंत्रालय द्वारा "व्यापक रणनीतिक सैन्य सुरक्षा" रणनीति जारी की है जो संचार तकनीक पर आधारित है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अंतरिक्ष क्षेत्र में शोध के आधार पर अंतरिक्ष में उपलब्ध संसाधनों का भी राष्ट्र के विकास में उपयोग किया जा सकता है। चन्द्रमा व मंगल पर संसाधनों की खोज की जा रही है। साथ ही मानव ~~आवास~~ के लिए नये आवासों की तलाश भी इसी दिशा में एक प्रयास है। वस्तुतः अंतरिक्ष शोध में अग्रणी देश इस तकनीक का लाभ प्राप्त करने में भी अग्रणी रहेंगे तथा इसके कारण प्राप्त राजस्व से गरीबी तथा अक्षमानता की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इस आधार पर तो अंतरिक्ष पर शोध को निरर्थक प्रयास के बजाय अवसरों का पुंज माना जा सकता है।

वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या जलवायु परिवर्तन का समाधान भी अंतरिक्ष तकनीक पर शोध के माध्यम से किया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के वहन ओजोन विखण्डन, ग्रीन हाउस गैसों की बढ़ती मात्रा के समाधान के लिए इस तकनीक पर सोच किया जा रहा है। वस्तुतः अंतरिक्ष में उपग्रहों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

के माध्यम से सौलर रेडिएशन मैनजमेंट का प्रयास किया जा रहा है साथ ही ओजोन संरक्षण के लिए भी ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में कमी का प्रयास किया जा रहा है। अंतरिक्ष तकनीक ऊर्जा के नये-नये स्त्रोतों के लिए अवसरों का पुंज मानी जा रही है। सूर्य के समान निरंतर ऊर्जा देने स्त्रोतों की तलाश की जा रही है।

इसी कड़ी में चीन द्वारा स्वयं का कृत्रिम चन्द्रमा विकसित किया है जो विद्युत खपत को कम करेगा। इस आधार पर आर्थिक व पर्यावरणीय लाभ प्राप्त होंगे। अंतरिक्ष तकनीक में निवेश से मानव की जिज्ञासा भी शांत होगी कि इस ग्रह पर क्या है? अर्थात मानव अपनी बौद्धिकता का निरंतर विकास करेगा। इस आधार पर किसी दूसरे ग्रह की स्थिति में परिवर्तन के आधार पर पृथ्वी को भविष्य के संकट से बचाया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अंतरिक्ष पर शोध को अवसरों का पुंज साबित करने के सम्बंध में कई तर्क दिये जा सकते हैं यदि विश्व इस दिशा में आगे बढ़ रहा है तो भारत को भी आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही वैज्ञानिक शोध के लिए सरकारी व निजी प्रयासों को साथ-साथ जारी रखना चाहिए। इसके साथ ही अंतरिक्ष पर शोध के लिए वैश्विक सहयोग पर आधारित शोध को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

<u>निष्कर्षतः</u> अंतरिक्ष पर शोध: निरर्थक प्रयास या अवसरों का पुंज की नैतिक दुविधा का समाधान अंतरिक्ष तकनीक के सुधारात्मक लाभों को सामने रखकर शोध करने से सम्भव है। इसके कारण विकसित वैज्ञानिक दृष्टिकोण का संवेदनशीलता के विकास तथा मॉब लिंचिंग जैसे घटनाओं पर नियंत्रण में किया जा सकता है। विज्ञान में निवेश भविष्य के लिए किया गया निवेश होता है जो भारत को कई समस्याओं से मुक्ति दिलायेगा। इसके माध्यम से कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य व गरीबी की समस्या का सफल

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

समाधान सम्भव है। इस तरह अंतरिक्ष पर शोध गरीबी निवारण प्रयासों के विपरीत नहीं है बल्कि एक के माध्यम से दूसरी समस्या का समाधान किया जा सकता है। अल्बर्ट आंइस्टीन के शब्दों में

"विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश वर्तमान समय की कई समस्याओं का समाधान करेगी तथा उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहायता करेगी।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

खंड–B / SECTION –B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. युद्ध के लिये तैयार रहना शांति को संरक्षित करने का सबसे प्रभावी उपाय है।

To be prepared for war is the most effective means of preserving peace.

2. समस्याग्रस्त विश्व के लिये गाँधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता।

The relevance of Gandhian Ideology in the problem laden world.

3. सामाजिक एवं क्षेत्रीय न्याय की कमज़ोरियाँ संपन्न समाजों के अंतर्विरोधों को प्रत्यक्ष संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर सकती हैं।

The weaknesses in social and regional justice can bring forward contradictions of affluent societies in form of direct struggle.

4. नैतिकता स्वयं अपना ही पुरस्कार है।

Morality is its own reward.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

① "समस्याग्रस्त विश्व के लिये गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता"

"उन्होंने अव्यवस्था को पाया और उसे व्यवस्था में बदल दिया। अराजकता की स्थिति को जन सम्प्रभुता आधारित स्वराज की स्थिति में बदल दिया।"

उपरोक्त कथन गाँधीजी तथा गांधीवादी विचारों की उस समय में उपयोगिता तथा वर्तमान समस्याग्रस्त विश्व में प्रासंगिकता को सिद्ध करता है। वस्तुतः गांधीवादी विचारों को वर्तमान में पुनः लागू करने की मांग की जा रही है जो नैतिकता व मानवता के साथ-साथ विकास की रणनीति पर बल देते थे। इसी रणनीति पर आधारित वर्तमान विश्व में सतत विकास लक्ष्य है। गाँधीवादी विचारों की कालजयी प्रकृति उनको वर्तमान विश्व में भी प्रासंगिक बनाये रखती है क्योंकि गांधीवादी विचार सम्पूर्णता में युक्त थे तथा मानव व प्रकृति के सामंजस्य आधारित सम्बन्धों को बढ़ावा देते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आगे बढ़ने से पूर्व यह आवश्यक है कि वर्तमान विश्व में क्या-क्या समस्यायें हैं?
वस्तुतः वर्तमान विश्व में देखें तो नकारात्मकता विद्यमान है। गरीबी व असमानता के कारण एक व्यक्ति स्वयं को बेचने के लिए मजबूर हो रहा है। विकसित देशों द्वारा तृतीय विश्व के गरीब संसाधनों का दोहन किया जा रहा है।

साथ ही संसाधनों के अनियंत्रित दोहन के ~~प्रकृति~~ कारण प्रकृति पर नकारात्मक प्रभाव हो रहे हैं। इसी कारण बॉब ब्राउन ने कहा है कि "मानव का भविष्य या तो हरा होगा या होगा ही नहीं।" वर्तमान विश्व में हिंसा की विद्यमानता ने शस्त्रीकरण के साथ-साथ तृतीय विश्व युद्ध का भय भी पैदा किया है। समाज में विकास की प्रक्रिया में कई लोग पीछे छूट गए हैं। इसी कारण समाज में असंतोष व कुंठा पैदा हो रही है।
महिलाओं की कमजोर स्थिति तो किसी से छिपी नहीं है। आज भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मैला ढोने की अमानवीय प्रथा कई सरकारी प्रयासों के बाद भी जारी है। आज ग्रामीण क्षेत्र में "होरी रूपक किसान मर रहा है तो गोबर मजदूर बनकर जीने के लिए अभिशप्त है।" इस आधार पर ग्रामीण क्षेत्र में भी गाँधीवादी विचारों को लागू किया जा सकता है।

साथ ही गांधीवादी विचार की धार्मिक संघर्ष की वर्तमान विचारों को रोकने में नितांत आवश्यकता है। वर्तमान समय में मॉब लिंचिंग, रंगभेद, नक्सलवाद, लिंगभेद तथा प्रशासन में अभिजात्यता का युग विद्यमान है। एर्दोगन तुर्की की समुद्र किनारे मिली लाश विश्व नैतिकता के अवनयन का उदाहरण है तो शरणार्थी समस्या भी विश्व को परेशान कर रही है। इस तरह विश्व कई क्षेत्रों में समस्याग्रस्त है।

अब हम गाँधीवादी विचारों की प्रासंगिकता का परीक्षण करेंगे। गाँधीजी द्वारा सत्य, अहिंसा तथा सत्याग्रह की रणनीति पर बल दिया था। सत्य का विचार व्यक्ति के विकास के साथ-साथ विश्व शांति की स्थापना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में सहायता करेगा। अहिंसा के विचार से कश्मीर की समस्या का समाधान किया जा सकता है तो अरब क्षेत्र का आतंकवाद भी इसी रणनीति के माध्यम से सम्भाला जा सकता है। सत्याग्रह की रणनीति रोजा पार्क, मार्टिन लूथर किंग जूनियर के विचारों पर चलकर रंगभेद व नस्लभेद की समस्या का समाधान कर सकती है। नेल्सन मण्डेला द्वारा गाँधीवादी रणनीति के आधार पर ही संघर्ष किया था।

गाँधीजी द्वारा साधन-साध्य की पवित्रता की वकालत की थी। वर्तमान विश्व में शक्ति की प्राप्ति के लिए प्रयोग में जा रहे अनैतिक साधनों पर लगाम लगाई जा सकती है। राजनीति के क्षेत्र में मैकियावेली की अनैतिक विचारधारा ने संघर्षों को ही बढ़ावा दिया है। अतः गाँधीवादी विचार संयुक्त राष्ट्र संघ व अन्य लोकतांत्रिक संस्थानों के सफल संचालन में सहायता करेंगे।

गाँधीजी ने कहा था कि "

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

प्रशासन के द्वार पर आया प्रत्येक व्यक्ति भगवान के समान होता है" अतः जनभागीदारी आधारित प्रशासन के साथ-साथ सुशासन की प्राप्ति में गांधीवाद वर्तमान में तो नितांत प्रासंगिक है।

वर्तमान समाज को समतामूलक बनाने के लिए भी गांधीवादी विचार प्रासंगिक है। गांधीवाद के सर्वोदय, वर्ग समन्वय के विचार समतामूलक समाज का निर्माण कर सकते हैं। वर्तमान में सर्वोदय के माध्यम से अंतिम पायदान पर स्थित व्यक्ति को भी व्यवस्था में शामिल किया जा सकता है। इस आधार पर "व्यक्ति को व्यक्ति होने का आभास होगा" तथा नैतिकता आधारित विश्व व्यवस्था का विकास होगा। गाँधीवादी रणनीति के आधार पर हिन्दू-मुस्लिम, महिला-पुरुष, गरीब-अमीर के मानव निर्मित विभेदों को मिटाकर विश्व स्तर पर समतामूलक व समावेशी राष्ट्रों व समाजों का निर्माण सम्भव है।

गाँधीजी के विचार आर्थिक क्षेत्र में भी विश्व की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। गांधीजी के द्वारा ट्रस्टीशिप की

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अवधारणा की बात की साथ ही गांधीवादी विचार आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण में सहायता कर सकते हैं। इन विचारों के आधार पर इंडिया और भारत का भेद समाप्त किया जा सकता है। गांधीजी के विचारों की सबसे ज्यादा प्रासंगिकता तो पर्यावरण सुरक्षा में है।

वस्तुतः गांधीजी ने कहा था कि "प्रकृति सभी व्यक्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है लेकिन किसी एक व्यक्ति के लालच की भी पूर्ति नहीं कर सकती।" आज अनियंत्रित विकास के कारण समुद्र जल स्तर में वृद्धि, ग्लेशियरों के पिघलने के कारण समूचा विश्व नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा है। इस आधार पर आवश्यकता आधारित प्राकृतिक संसाधनों की उपयोग की गांधीवादी रणनीति वर्तमान में नितांत आवश्यक है। भारत द्वारा स्वच्छता आधारित गांधीजी के विचारों को लागू करते हुए ~~स्वच्छ~~ स्वच्छ भारत मिशन लागू किया है जो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright Drishti The Vision Foundation

मानव व प्रकृति के साहचर्य पर बल देता है।

गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता का अगला पक्ष अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में नैतिकता से सम्बन्धित है। आज ~~मिनि~~ पिनी पिग, शस्त्रों के लिए विस्तार तथा आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की स्थिति विद्यमान है। इस आधार पर गाँधीवादी विचार व्यापार युद्ध को रोकने में सहायता करेंगे तथा पारस्परिक सहमति से वर्षों से जारी अरब-इजरायल समस्या का भी समाधान करेंगे। वस्तुतः गांधीजी द्वारा राजनीति व नैतिकता के समन्वय पर बल दिया था। इस आधार पर वैश्विक संसाधनों पर सामूहिक नियंत्रण से विभिन्न समस्याओं का समाधान होगा।

गांधीवाद के माध्यम से व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास भी किया जा सकता है। गांधीजी द्वारा स्वराज के तहत आंतरिक स्तर पर भी स्वराज की स्थापना की बात की। इसी तरह ब्रह्मचर्य का विचार विभिन्न प्रकार की अनैतिक वैश्विक समस्याओं का

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

समाधान करेगा तथा व्यक्ति के चरित्र को समावेशी बनायेंगे। गाँधीवादी विचार धार्मिक चिंतन में वैज्ञानिकता का विकास करेंगे इसके माध्यम से विश्व युद्धों के नियंत्रण के साथ-साथ समाज के स्वरूप पर धार्मिक सहिष्णुता, समानुभूति का विकास होगा तथा मॉब लिंचिंग तथा बलात् धर्मांतरण पर रोक लगेगी। इस तरह गाँधीवादी विचारों की प्रासंगिकता वर्तमान समस्याओं का समाधान कर नैतिक व समावेशी विश्व के निर्माण में ~~सहायक~~ है।

यद्यपि कुछ गाँधीवादी विचार वर्तमान विश्व में प्रासंगिक नहीं है। गाँधीजी द्वारा जाति व्यवस्था तथा वर्ण व्यवस्था को कुछ मात्रा में स्वीकार किया था। इस कारण ये विचार वर्तमान वैज्ञानिक व प्रगतिशील समाज में विखण्डन के कारण है। जन्म आधारित विशेषाधिकार व्यक्तित्व के विकास में बाधक होते हैं। गांधीजी के धर्म व राजनीति के समन्वय के विचार के कारण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

धार्मिक राजनीति का प्रयोग बढ़ गया है। यद्यपि गांधीजी की धर्म आधारित अवधारणा इतनी संकीर्ण न होकर व्यापक थी।

दूसरी तरफ गाँधीजी द्वारा आधुनिक औद्योगीकरण की आलोचना की थी जबकि विश्व दूसरी तरफ औद्योगिक क्रांति 4.0 की बात कर रहा है। वस्तुतः बढ़ती जनसंख्या व आवश्यकताओं के समाधान के लिए औद्योगीकरण वर्तमान विश्व की आवश्यकता है। गांधीजी साम्प्रदायिकता, अछूतोद्धार की समस्या का प्रभावी समाधान नहीं कर पाये थे। जबकि वर्तमान विश्व में इन समस्याओं की विद्यमानता है। विश्व स्तर पर भी धार्मिक संघर्ष वर्तमान विश्व की यथार्थता है। लेकिन गांधीवादी विचारों की यह आलोचना वर्तमान दृष्टिकोण के आधार पर की जा रही है। गांधीजी के आर्थिक विचार व्यवस्था के साथ-साथ व्यक्ति के नैतिक विकास पर भी आधारित है। इस तरह गाँधीवादी विचारों की प्रासंगिकता वर्तमान समस्याग्रस्त विश्व में व्यक्ति से लेकर राष्ट्र, प्रकृति,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समाज, नैतिकता, औद्योगीकरण तथा वर्तमान वैश्विक व्यवस्था को नैतिक दृष्टिकोण देने में हैं।

निष्कर्षतः कुछ कमियों के बावजूद गांधीजी के विचारों की विश्व स्तर पर स्वीकार्यता इन विचारों की प्रासंगिकता की प्रमाण है। गांधीजी के विचार व्यापक दृष्टिकोण से युक्त थे। अफ्रीका व एशिया के देशों में गांधीजी को स्वतंत्रता आंदोलन का प्रेरक स्त्रोत माना गया था। इसी आधार पर वर्तमान विश्व की समस्याओं के समाधान के गांधीवादी विचारों को लागू भी किया जाता है। भारत में स्वच्छता आंदोलन हो या वैश्विक स्तर पर रंगभेद का विरोध व पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान ये सब गांधीवाद से ही प्रेरित है। गांधीजी के विचार आगामी समय भी प्रासंगिक रहेंगे। गांधीवाद की प्रासंगिकता के लिए स्वयं गांधीजी द्वारा हिंद स्वराज में कहा था—

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"गांधी मर सकता है लेकिन गांधीवाद नहीं मर सकता।"

———x———x———x———

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation